भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 3705**
**11 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए**

## परिष्कृत इस्पात की खपत और डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र

3705. **श्री अशोक कुमार रावतः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के दौरान अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों में परिष्कृत इस्पात की कुल खपत का ब्यौरा क्या है; और

(ख) डिजिटल ट्रैकिंग तंत्रों और उत्सर्जन निगरानी प्रणालियों के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) और (ख): भारत में इस्पात की मांग निर्माण क्षेत्र द्वारा संचालित होती है, जो इस्पात की खपत का 37% है, इसके बाद अवसंरचना द्वारा 30%, इंजीनियरिंग, उपकरणों और पैकेजिंग द्वारा 17%, ऑटोमोबाइल द्वारा 11% और अन्य क्षेत्रों द्वारा 5% की खपत की जाती है। वर्ष 2025-26 में भारत की तैयार इस्पात की खपत 164.36 मिलियन टन थी। इस्पात क्षेत्र उत्सर्जन निगरानी के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की कार्यप्रणाली का पालन करता है। कार्बन क्रेडिट एंड ट्रेडिंग सिस्टम (सीसीटीएस) के तहत, सरकार ने 255 बड़ी इस्पात उत्पादन इकाइयों के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन लक्ष्य निर्धारित किया है।

*****